RBS Engineering Technical Campus, Bichpuri, Agra

International Conference on 29 – 30 March 2019

इंटरनेट पर निर्भरता युवाओं के लिए घातक

agra@inext.co.in

AGRA (30 March): आरबीएस टेक्निकल कैंपस, बिचपुरी में आईसीडीआईएस-2019 संगोष्ठी के आखिरी दिन साइबर सिक्योरिटी विशेषज्ञ रक्षित टंडन ने साइबर क्राइम के ऊपर प्रमुख रूप से प्रकाश डाला. युवा पीढ़ी की इंटरनेट को लेकर निर्भरता नुकसानदेह है. इस दौरान संस्थान के निदेशक डॉ. पंकज गुप्ता, डॉ. बीरबल सिंह, डॉ. शचिपति पांडे, प्रो. शैलेश तिवारी, इंजी. अशोक कुमार, इंजी. अमन सिंह, इंजी. गीतांजलि, इंजी. रामगोपाल व अन्य लोग मौजूद रहे.

संचार तकनीकी के शोध से रूबरू हो रहे छात्र

बिचपुरी में आरबीएस इंजीनियरिंग कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ पर विमोचन करते अतिथि। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

'डाटा एंड इन्फार्मेशन साइंसेज' पर आरबीएस इंजीनियरिंग टेक्निकल कैंपस में दो दिवसीय कांफ्रेंस का आयोजन

आगरा। आरबीएस इंजीनियरिंग टेक्निकल कैंपस, बिचपुरी में शुक्रवार को यूएसए और इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, आगरा चैप्टर के सहयोग से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का आयोजन किया गया है। विषय है 'डाटा एंड इन्फार्मेशन साइंसेज।' कांफ्रेंस में तकनीकी क्षेत्र में हो रहे परिवर्तनों और शोध के संबंध में जानकारी दी जा रही है।

मुख्य अतिथि इंडोनेशिया की प्रो. इरमा सूयानी ने बताया कि कांप्लेक्स सिस्टम के लिए डिजाइन के दौरान आने वाली समस्याओं का निस्तारण किस तरह से किया जा सकता है। उन्होंने मनुष्य के शरीर को प्रकृति की ओर से बनाई गई सर्वश्रेष्ठ कृति बताया। विशिष्ट अतिथि आईआईटी दिल्ली के प्रो. केके विश्वास ने बताया कि मशीन लर्निंग तकनीक के माध्यम से मशीन खुद अपने डाटा की पहचान कर आवश्यकतानुसार उसे फिर से उपयोग में ले लेती है। बार-बार कमांड देने की आवश्यकता नहीं होती है। डीप लर्निंग तकनीक से आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क और कन्व्यूनेशनल न्यूरल नेटवर्क का उपयोग कर फेश आंखों की रेटिना की पहचान आसानी से की जा सकती है।

मेजबान संस्थान के निदेशक वित्त एवं प्रशासन डॉ. पंकज गुप्ता, कांफ्रेंस के चेयरमैन प्रो. बृजेश कुमार सिंह कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। संस्थान के निदेशक डॉ. ब्रिजेश सिंह कुशवाह डॉ. बोर्डोके पात्रो, डॉ. मनु प्रताप सिंह, डॉ. राजेंद्र शर्मा ने विचार व्यक्त किए। तीन सत्रों में 33 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए

PIC : DAINIK JAGRAN INEXT

संगोष्ठी

राजा बलवंत सिंह इंजीनियरिंग टेक्निकल कैंपस, बिचपुरी में आगरा के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग में संयुक्त राज्य अमेरिका की संस्था स्प्रिंगर संस्था और इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) लोकल चैप्टर के सहयोग से दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी 'आईसीडीआईएस-2019' का शुभारंभ हुआ. संस्थान के निदेशक वित्त एवं प्रशासनिक डॉ. पंकज गुप्ता ने आईसीडीआईएस-2019 के सफल आयोजन कि लिए सहयोगियों को बधाई दी. इस अवसर पर डॉ. बीरबल सिंह, डॉ. सपना तोमर, डॉ. शचिपति पांडे, डॉ. विवेक कुमार श्रीवास्तव, शैलेश तिवारी व अन्य लोग मौजूद रहे.

RBS Engineering Technical Campus, Bichpuri, Agra

International Conference on 29 – 30 March 2019

मोबाइल एप की शर्तों को जरूर पढ़ें : रक्षित

आरबीएस इंजीनियरिंग टेक्निकल कैंपस में 'डाटा एंड इन्फार्मेशन साइंस' पर संगोष्ठी संपन्न

अमर उजाला ब्यूरो

आगरा। 'कोई भी मोबाइल एप डाउनलोड करने से पहले आई एग्री का बटन दबाने से पहले उसके सारे डाटा सिक्योरिटी की शर्तों को पढ़ लें। ऐसा न करने वालों का सारा डाटा संबंधित वेबसाइट या एप के पास पहुंच जाता है।' साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ रक्षित टंडन ने शनिवार को आरबीएस इंजीनियरिंग टेक्निकल, कैंपस में विद्यार्थियों को साइबर अपराध से बचने का तरीका बताया।

संस्थान में 'डाटा एंड इन्फार्मेशन साइंस' पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आखिरी दिन नई दिल्ली से वक्ता अवनीश वत्स ने साइबर सिक्योरिटी की चुनौतियों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि नेटवर्क सिक्योरिटी, मोबाइल एप्लीकेशन सिक्योरिटी, प्वाइंट सिक्योरिटी और क्लाउड सिक्योरिटी साइबर सिक्योरिटी की प्रमुख चुनौती बनकर उभरे हैं। क्लाउड स्टोरेज से व्यक्तिगत जानकारी चुराकर लोगों की निजी जानकारी का दुरुपयोग किया जा सकता है। संस्थान के निदेशक डॉ. बृजेश सिंह कुशवाह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस मौके पर डॉ. पंकज गुप्ता, लवकुश शर्मा, डॉ. बीरबल सिंह, डॉ. शचिपति पांडे, प्रो. शैलेश तिवारी, डॉ. आशीष शुक्ला की मौजूदगी रही।

कई शोधपत्र प्रस्तुत किए गए

आगरा। संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों में कई शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। डाटा एनालिसिस एंड इट्स सिक्योरिटी विषय पर आधारित सत्र में केआईआईटी भुवनेश्वर की अंकिता सिन्हा ने शोधपत्र के माध्यम से बताया कि बिग डाटा तकनीक का उपयोग कर कैंसर कारक कोशिकाओं का पूर्वानुमान लगाकर कैंसर से बचा जा सकता है। एडवांस कम्युनिकेशन एंड सिक्योरिटी विषय पर आधारित सत्र में एबीईएस कॉलेज, गाजियाबाद की जागृति कौर ने बताया कि फैक्टर एनालिसिस प्रणाली से युवाओं को जागरूक किया जा सकता है। मादक पदार्थों से ग्रसित युवाओं को इसके दुष्परिणामों से बचाया जा सकता है। अध्यक्षता डॉ. गौरव दुबे ने किया। दोनों सत्रों में सात-सात शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेस में 47 शोध पत्र हुए प्रस्तुत

जागरण संवाददाता, आगरा: आरबीएस इंजीनियरिंग टेक्निकल कैंपस बिचपुरी में डाटा एंड इंफॉरमेशन साइंस पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस की शुरुआत हुई।

कांफ्रेंस की मुख्य अतिथि इंडोनेशिया से आई प्रो. इरमा सूबानी बताया कि कांपलेक्स सिस्टम के लिए स्ट्रक्चर डिजायन व डिजायन के दौरान आने वाली समस्याओं का निराकरण बताया। उन्होंने स्ट्रक्चरल डिजायन के प्रयोग के संबंध में अपने । उन्होंने बताया कि इसका प्रयोग एयरलाइंस में किया जाता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. केके विश्वास ने मशीन लर्निंग विषय पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि मशीन लर्निंग तकनीक के माध्यम से मशीन स्वयं अपने डाटा की पहचान कर जरूरत के अनुसार दोबारा उपयोग में ले लेती है।

उसे बार-बार कमांड की आवश्यकता नहीं होती है। संस्थान के निदेशक डॉ. बृजेश कुशवाह ने कहा कि संगोष्ठी में प्राप्त शोध से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ग्रिड कंप्यूटिंग, इंडस्ट्रियल आटोमेशन एवं नेटवर्क सिक्योरिटी आदि क्षेत्र लाभांवित होंगे। संस्थान के वित्त एवं प्रशासनिक निदेशक डॉ. पंकज गुप्ता ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास की बढ़ोतरी होती है। पहले दिन 47 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए।

इस अवसर पर आइईआइ लोकल चैप्टर आगरा के डॉ. बीडीके पात्रो, डॉ. बीरबल सिंह, डॉ. सपना तोमर, डॉ. शचिपति पांडे, डॉ. विवेक श्रीवास्तव, प्रो. शैलेश तिवारी, अशोक कुमार, लवकुश शर्मा, सौम्या त्रिपाठी, आशीष शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

आयोजन

- आरबीएस कैंपस में डाटा एंड इनफॉरमेशन साइंस पर हुई संगोष्ठी
- एयर कार्बो प्रोजेक्ट के बारे में भी दी जानकारी

RBS Engineering Technical Campus, Bichpuri, Agra

International Conference on 29 – 30 March 2019

इंटरनेट ऑफ थिंग्स के उपयोग बताए

आगरा | कार्यालय संवाददाता

आरबीएस इंजीनियरिंग टेक्निकल कैंपस बिचपुरी में शुक्रवार को कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग और अमेरिका की स्प्रिंगर संस्था के सहयोग से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी डाटा एंड इन्फारमेंशन साइंस-2019 का शुभारंभ हुआ। सेमिनार में 47 शोध पत्र पढ़े गए।

इंडोनेशिया से आई प्रो. इरमा सुयानी, विशिष्ठ अतिथि केके विश्वास, आईआईटी दिल्ली के डॉ. बीडीके पात्रों ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ. बृजेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में डाटा इन्फारमेंशन साइंस और डिजीटल तकनीकी से प्राप्त शोधों से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, कंप्यूटरिंग आटोमेसन, नेटवर्क सिक्योरिटी क्षेत्र को लाभ मिलेगा। संस्थान के निदेशक वित्त और प्रशासनिक डॉ. पंकज गुप्ता ने आईसीडीआईएस-2019 के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होने

आरबीएस इंजीनियरिंग टेक्निकल कैंपस बिचपुरी में सेमिनार के शुभारंभ पर अतिथि।

बताया कि संगोष्ठी के मुख्य विषय को दो भागों में विभागित किया गया है। कंप्यूटर एंव इन्फारमेंशन साइंस, इंफारमेंशन सिक्योरिटी है। डाटा सुरक्षा संबंधी आधुनिक तकनीकी इंटरनेट ऑफ थिंग्स बिग डाटा के उपयोग से सुरक्षित उपयोग के बारे में बताया। प्रो. इरमा सुयानी ने बताया कि किसी काप्लेक्स सिस्टम के लिए स्ट्रक्चर डिजाइन के दौरान आने वाली समस्याओं का निराकरण किस प्रकार किया जा सकता है। इससे पूर्व अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की स्मारिक का विमोचन किया गया। प्रथम तकनीकी सत्र मुख्य विषय उन्नत संचार और सुरक्षा पर आधारित था। इस सत्र में कुल 11 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। दूसरे तकनीकी सत्र जिसका विषय बुद्धिमान कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी और बुद्धिमान हार्डवेयर और साफ्टवेयर डिजाइन रहा। तीसरे सत्र में 12 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। जबकि चौथे सत्र में 10 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। डॉ. बीरबल सिंह, डॉ. सपना तोपर, डॉ. शचिपति पांडेय, डॉ. विवेक कुमार . प्रो. शैलेष तिवारी. डा. आशीष शुक्ला मौजूद रहे।

मशीन लर्निंग-डीप लर्निंग को गहनता से समझाया

- आरबीएस इंजीनियरिंग कैंपस में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में डाटा को सुरक्षति रखने पर हो रहा मंथन

DLA News

आगरा। डाटा सुरक्षा संबंधी आधुनिक तकनीकी इंटरनेट ऑफ थिंक्स और बिग डाटा के उपयोग से डाटा को सुरक्षित करने के साथ ही होने वाली हानियों से बचाया जा सकता है। किसी कॉम्प्लेक्स सिस्टम के लिए स्ट्रेक्चर डिजायन के दौरान आने वाली समस्याओं का निराकरण भी आसानी से किया जा सकता है, बस इसें जानकारी होनी चाहिए। यह कहना था इंडोनेशिया से आई प्रो. इरमा सूर्यानी का। मौका था राजा बलवंत सिंह इंजीनियरिंग टेक्निकल कैंपस में चल रही दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय 'डाटा एवं इनफोरमेशन साइंसेस' का।

आज दूसरे दिन कार्यशाला में वक्ताओं द्वारा अपने विचार व्यक्त किए जा रहे थे। अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में देश-विदेश के कई विशेषज्ञ, वैज्ञानिक और शोधार्थी आए हुए हैं।

राजा बलवंत सिंह इंजीनियरिंग टेक्निकल कैंपस में आयोजित कार्यशाला के दौरान इंडोनेशिया से आई प्रो. इरमा सूर्यानी, डॉ. बीएस कुशवाह, डॉ. पंकज गुप्ता एवं अन्य।

निदेशक डॉ. बीएस कुशवाह ने कहा कि कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में डाटा इनफोरमेशन साइंस और डिजिटल तकनीकी से प्राप्त शोधों से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, कंप्यूटिंग ऑटोमेशन, नेटवर्क सिक्योरिटी क्षेत्रों को अत्यंत फायदा होगा।

डॉ. पंकज गुप्ता ने बताया कि संगोष्ठी के मुख्य विषय को दो भागों में विभाजित किया गया है। पहला है कंप्यूटर एवं इनफोरमेशन साइंस, दूसरा है इनफोरमेशन सिक्योरिटी। इंटरनेट ऑफ थिंक्स एवं अन्य कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के उपयोग से बैंकिंग, डिफेंस आदि के क्षेत्रों के डाटा को सुरक्षित रखा जा सकता है। आईआईटी दिल्ली से आए प्रो. केके विश्वास ने मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग विषयों के बारे में जानकारी दी। मशीन लर्निंग तकनीक के माध्यम से मशीन स्वयं अपने डाटा की पहचान कर आवश्यकतानुसार उसे फिर से उपयोग में ले सकती है, जिसकी वजह से मशीन को बार-बार कमांड देने की आवश्यकता नहीं पड़ती। डॉ. अनेज कुमार सिंह ने बताया कि डीप लर्निंग तकनीक से आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क का उपयोग कर चेहरे की पहचान, आंखों के रेटिना की पहचान की जा सकती है।

संगोष्ठी में डॉ. बीरबल सिंह, डॉ. सचीपति पांडे, डॉ. सपना तोमर, डॉ. डीएस तोमर, डॉ. आशीष शुक्ला, इंजी. लवकुश वर्मा, इंजी. अंशुल सिंह, इंजी. रामगोपाल वर्मा, इंजी. आलोक चाहौन आदि उपस्थित रहे।